**Today’s Poem – 17.09.2014**

**माया को वश करने का मन्त्र है मन्मनाभव**

**इससे होता पवित्र बनने का अनुभव**

**याद की यात्रा ही सेफ्टी का नम्बरवन साधन**

**हो जाता करैक्टर सुधारने का प्रबंधन**

**बाप समान विदेही बनने का पुरूषार्थ करना**

**याद के बल से अपना स्वभाव मीठा और कर्मेन्द्रियां शान्त करना**

**अपनी सूक्ष्म कमजोरियों को, अपनी छोटी-छोटी गलतियों को चिंतन करके मिटाना**

**परिवर्तन करना - यही है स्वचिंतक बनना**

**हर समय करन-करावनहार बाबा याद रहे**

**तो मैं पन का अभिमान ना रहे**

**मेरा बाबा**

**ॐ शान्ति !!!**

****